डिग्री पाकर चहके भावी बिजनेस लीडर

आइआइएम का 10वां दीक्षा समारोह आयोजित

जासं, रांची : भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) रांची का 10वां दीक्षा समारोह आयोजित किया गया। यह आयोजन पुंदाग स्थित आइआइएम रांची के स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। दीक्षा समारोह की शुरुआत शैक्षणिक जुलूस के साथ हुई। इसके बाद सरस्वती वंदना, दीप प्रज्वलन किया गया। आइआइएम रांची के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह ने स्वागत भाषण दिया और संस्थान के बारे में एक संक्षिप्त रिपोर्ट पेश की। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल जनजातीय कार्य मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अर्जुन मुंडा ने कहा कि भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची लगातार सफलता की सीढ़ी चढ़ रही है। दीक्षा समारोह में सम्मानित होना अपने आप में किसी भी छात्र-छात्रा के लिए गर्व की बात होती है। यहां से डिग्री मिलने के बाद सभी प्रोफेशनल दुनिया में अपनी प्रतिभा का लोहा बेहतर तरीके से मनाएं और देशहित में कुछ नया प्रयोग जरूर करें। अर्जुन मुंडा ने कल के बिजनेस लीडर्स को बधाई देते कहा कि उन्हें सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए नवीन विचारों को सशक्त बनाने के लिए अपने उत्साह का उपयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ऐसे छात्रों को एक मजबूत मंच प्रदान करती रही है, उनके व देश के कल्याण को बढ़ावा मिल सके। इस मौके पर प्रवीण शंकर पंड्या अध्यक्ष, बोर्ड आफ गवर्नर्स आईआईएम रांची, सीएस अमन पोद्दार अध्यक्ष रांची चैप्टर आईसीएसआई भी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन आनलाइन एवं आफलाइन दोनों माध्यमों से किया गया।

इन छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

जसमीत सिंह बिंद्रा, एमबीए
हुतांशु कमल, एमबीए
राहुल सिन्हा, एमबीए
ठाकर खुशाल हितेश, एमबीए
दिमिल कु. नरेंद्रभाई पटेल, एमबीए
सुरभि सेठी, एमबीए एचआरएम
कनुप्रिया जैन, एमबीए एचआरएम
कोडेडेला हरिथा,एमबीए एचआरएम
गजल, एमबीए एचआरएम
ऋतुपर्णा नाथ, एमबीए एचआरएम

इन्हें किया गया सम्मानित

दीक्षा समारोह में एमबीए 2019-21 बैच में अव्वल रहे बीओजी-अध्यक्ष पदक और योग्यता प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले वंश गुप्ता को सम्मानित किया गया। वहीं दूसरे स्थान पर निदेशक पदक और योग्यता प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले विवेक गुहा सरकार और तीसरे स्थान पर कार्यक्रम अध्यक्ष पदक और योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले सिद्धांत मल्होत्रा को मुख्य अतिथि ने डिग्री व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं चौथे स्थान पर पुस्तक पुरस्कार विजेता परुषी और पांचवें स्थान पर पुस्तक पुरस्कार के विजेता हिमांशु वर्मा को सम्मानित किया गया।

आइआइएम रांची के दीक्षा समारोह में डिग्री और प्रमाण पत्र हासिल करने के बाद छात्र जोश में दिखे। हैट को हवा में उछालकर उन्होंने अपने उत्साह का प्रदर्शन किया ● संजय सुमन

आइआइएम रांची के दीक्षा समारोह में मंच पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा व अन्य ● जागरण

मुख्य अतिथि निदेशक ने दिए सफलता के टिप्स

निदेशक ने कहा हम चार कार्यक्रमों में सभी स्नातक छात्रों को बधाई देते हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान ने बेहतर प्रदर्शन किया है। निदेशक ने उपयुक्त व्यवहार के लिए जन आंदोलन की शपथ दिलाई। साथ ही उन्होंने पासआउट छात्र छात्राओं को जरूरी टिप्स भी दिए।

- अपना ध्यान लाभप्रदता से उन उद्यमों की स्थिरता पर केंद्रित करें जहां आप काम करते हैं।
- संगठन, समाज और पर्यावरण के सामंजस्यपूर्ण सह अस्तित्व के लिए कार्य करें।
- हमेशा ऐसे व्यवहार को आत्मसात करें जो आईआईएम रांची के मूल मूल्यों को दर्शाता हो विनम्रता,
- ईमानदारी और कड़ी मेहनत।

एमबीए-एचआरएम 2019-21 बैच

- पहला स्थान, बीओजी अध्यक्ष पदक और योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाली शिवाक्षी सिंघली
- दूसरा स्थान, निदेशक पदक और योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले मेबिन डोमिनिक
- तीसरा स्थान, कार्यक्रम अध्यक्ष पदक और योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाली तानिया चडाही
- चौथा स्थान, पुस्तक पुरस्कार विजेता महकी
- पांचवां स्थान, पुस्तक पुरस्कार की विजेता शुभी तेवतिया को सम्मानित किया गया।

कार्यकारी एमबीए 2019-21 बैच

- पहला स्थान, बीओजी अध्यक्ष पदक और योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले रजनीश कुमार
- दूसरा स्थान, निदेशक पदक और योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले जय किशन सराफी
- तीसरा स्थान, कार्यक्रम अध्यक्ष पदक और योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले सचिन देव कुमार
- चौथा स्थान, पुस्तक पुरस्कार विजेता सिद्धार्थ शिवम
- पांचवां स्थान, पुस्तक पुरस्कार के विजेता अजीत कुमार को सम्मानित किया गया।

पीएचडी के छह छात्र रहे शामिल

दीक्षा समारोह में कुल 305 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई। जिनमें एमबीए में 203, एमबीए-एचआर में 72, एक्जिक्यूटिव एमबीए में 24 एवं पीएचडी के 06 विद्यार्थी शामिल रहे। वहीं प्रो आशीष हजेला मेमोरियल अवार्ड अवनीत सिंह सैनी को दिया गया।

Dainik Jagran_25.02.2022_Pg. 06